

28/24 पत्रावली पत्रा छुड़ी व की ल वाही व वाही को अणाय  
 जगाई गरी वार-वार अणाय लगाव के वापस  
 भी वकी लवाही व वाही अणाय मे लिपि गरी लिपि  
 वर वाही का वाह अहम हजपदी अहम अहम मे खाति  
 किवा जहा के पत्रावली फल ल अमाह का व अणाय  
 स कम लोक होखल हफत को